सचिन तेंदुलकर

KV KNWOLEDGEWARE

क्रिकेट के भगवान सचिन तेंदुलकर को देश का सबसे बड़ा नागरिक सम्मान भारत रत्न दिया जाएगा। अगले साल 26 जनवरी को सचिन को ये सम्मान मिलेगा। पीएमओ की तरफ से ये जानकारी मिल रही है कि सचिन को ये सम्मान दिया जाएगा। सचिन ने भारत रत्न अपनी मां को समर्पित किया है। पिछले कई सालों से ये मांग चल रही थी, पिछले कुछ दिनों से सचिन की दीवानगी देखते ही बन रही थी शायद इसी का सम्मान करते हुए सरकार ने ये ऐलान किया है। भारत रत्न पाने वाले सचिन पहले खिलाड़ी हैं।

गौरतलब है कि आज सचिन ने टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया और उनका 24 सालों का क्रिकेट करियर खत्म हो गया। सचिन की दीवानगी पूरी दुनिया में देखने को मिली उनका आखिरी मैच देखने के लिए दुनिया के तमाम आम और खास लोग उमड़ पड़े। विदाई के वक्त सचिन के साथ-साथ लाखों लोगों की आंखों में आंसू छलक पड़ा। सचिन के लिए लोगों की दीवानगी देखकर सरकार को भी ये फैसला लेना पड़ा और सचिन को भारत रत्न देने का फैसला किया गया।

भारत सरकार ने शनिवार, 16 नवंबर, 2013 को क्रिकेट खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित करने की घोषणा की है. भारत रत्न पानेवाले सचिन पहले खिलाड़ी होंगे.

सचिन ने शनिवार, 16 नवंबर, 2013 को ही अपना 200वां टेस्ट मैच खेलकर क्रिकेट की दुनिया को अलविदा कहा है.

मुंबई के स्टेडियम में उन्होंने अपने विदाई भाषण से लोगों की नम कर दी थी. लेकिन सरकार ने शाम होते-होते उनके प्रसंशकों को खुश होने का मौक़ा दे दिया.

सचिन तेंदुलकर ने क़रीब ढाई दशक के अपने क्रिकेट करियर के दोनों प्रारूपों- एक दिवसीय और टेस्ट क्रिकेट में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है. सचिन ने अपने करियर में कुल 200 टेस्ट मैच खेले. उन्होंने टेस्ट मैचों की 239 पारियों में 53.78 की औसत से कुल 15921 रन बनाए हैं.

रिकॉर्डों के बादशाह

टेस्ट क्रिकेट में उनका उच्चतम स्कोर 248 रन का था, जो उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ ढाका में बनाए थे. टेस्ट क्रिकेट में उन्होंन 51 शतक और 68 अर्धशतक जमाए हैं. इसी तरह एक दिवसीय क्रिकेट में उन्होंने कुल 463 मैच खेले हैं. वनडे की 452 पारियों में उन्होंने 44.83 की औसत से 18426 रन बनाए हैं. इसमें 49 शतक और 96 अर्धशतक शामिल हैं.

सचिन तेंदुलकर को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न देने की माँग पिछले काफी समय से की जा रही थी. इसकी मांग करने वालों में देश के हर तबके और क्षेत्र के लोग शामिल थे. सरकार ने कुछ समय पहले नियमों में बदलाव किया था. इसके बाद खिलाड़ियों को भी देश का सर्वोच्च सम्मान देने का रास्ता आसान हो गया था.

राजापुर के मराठी ब्राह्मण परिवार में जन्मे सचिन का नाम उनके पिता रमेश तेंडुलकर ने उनके चहेते संगीतकार सचिन देव बर्मन के नाम पर रखा था। उनके बड़े भाई अजीत तेंडुलकर ने उन्हें खेलने के लिये प्रोत्साहित किया था। सचिन के एक भाई नितिन तेंडुलकर और एक बहन सवितई तेंडुलकर भी हैं। १९९५ में सचिन तेंडुलकर का विवाह अंजलि तेंडुलकर से हुआ। सचिन के दो बच्चे हैं - सारा व अर्जुन।

पूरा नाम	सचिन रमेश तेंदुलकर	
जन्म	24,अप्रैल 1973	
बल्लेबाज़ी का तरीक़ा	दाये हाथ के बल्लेबाज	
गेंदबाज़ी का तरीक़ा	दाये हाथ का मध्यम गति और स्पिन के गेंदबाज़	
	टेस्ट क्रिकेट	**एकदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट**
मुक़ाबले	199	463
बनाये गये रन	15,847	18,426
बल्लेबाज़ी औसत	53.71	45.12
100/50	51/66	49/96
सर्वोच्च स्कोर	150*	200*
फेंकी गई गेंदें	3,982	8,020
विकेट	44	154
गेंदबाज़ी औसत	52.22	44.26
पारी में 5विकेट	0	2
सर्वोच्च गेंदबाज़ी	3/10	5/32
कैच/स्टम्पिंग	104	132

सचिन रमेश तेंदुलकर (जन्म: 24 अप्रैल 1973, मुम्बई) क्रिकेट के इतिहास में विश्व के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में गिने जाते हैं। सन् १९८९ में अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण के पश्चात् वे बल्लेबाजी में कई कीर्तिमान स्थापित कर चुके हैं। उन्होंने टेस्ट व एक दिवसीय क्रिकेट, दोनों में सर्वाधिक शतक अर्जित किये हैं। वे टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज़ है। इसके साथ ही टेस्ट क्रिकेट में १४००० से अधिक रन बनाने वाले वे विश्व के एकमात्र खिलाड़ी हैं। एकदिवसीय मैचों में भी उन्हें कुल सर्वाधिक रन बनाने का कीर्तिमान प्राप्त है। उन्होंने अपना पहला प्रथम श्रेणी क्रिकेट मैच मुंबई के लिये 24 वर्ष की उम्र में खेला। उनके अन्तर्राष्ट्रीय खेल जीवन की शुरुआत १९८९ में पाकिस्तान के खिलाफ कराची से हुई।

सचिन राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित एकमात्र क्रिकेट खिलाड़ी हैं। वे सन् २००८ में पद्म विभूषण से भी पुरस्कृत किये जा चुके है। वे क्रिकेट जगत के सर्वाधिक प्रायोजित खिलाड़ी हैं और विश्वभर में उनके अनेक प्रशंसक हैं। उनके प्रशंसक उन्हें प्यार से लिटिल मास्टर व मास्टर ब्लास्टर कह कर बुलाते हैं। क्रिकेट के अलावा वे अपने ही नाम के एक सफल रेस्टोरेंट के मालिक भी हैं।

कीर्तिमान स्थापित

- मीरपुर में बांग्लादेश के खिलाफ सचिन तेंडुलकर ने अपना 100वां शतक पूरा कर लिया।

- एकदिवसीय अन्तरराष्ट्रीय क्रिकेट के इतिहास में दोहरा शतक[200] जड़ने वाले पहले खिलाड़ी बने
- एकदिवसीय अन्तरराष्ट्रीय मुक़ाबले में सबसे ज्यादा रन (१७००० से अधिक)
- एकदिवसीय अन्तरराष्ट्रीय मुक़ाबले में सबसे ज्यादा ४९ शतक
- एकदिवसीय अन्तरराष्ट्रीय के विश्व कप मुक़ाबलों में सबसे ज्यादा रन
- टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक (51)
- रिकार्डो के बादशाह सचिन तेंडुलकर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 November 2009 को अपनी १७५ रन की पारी के दौरान एक दिवसीय अन्तरराष्ट्रीय क्रिकेट में १७ हजार रन पूरे करने वाले पहले बल्लेबाज बने।
- टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक रनों का कीर्तिमान।
- टेस्ट क्रिकेट १३००० रन बनने वाले विश्व के पहले बल्लेबाज।
- एकदिवसीय अन्तरराष्ट्रीय मुक़ाबले में सबसे ज्यादा मैन आफ् द सीरीज
- एकदिवसीय अन्तरराष्ट्रीय मुक़ाबले में सबसे ज्यादा मैन आफ् द मैच
- अन्तरराष्ट्रीय मुक़ाबलो में सबसे ज्यादा ३०००० रन बनाने का कीर्तिमान्

5 नवम्बर 2009 गुरूवार, मास्टर ब्लास्टर तेंदुलकर को इसके लिए केवल 28 रन की दरकार थी। अपना 435वां मैच खेल रहे तेंदुलकर ने अब तक 424 पारियों में 44.21 की औसत से 17000 रन बनाए हैं जिसमें 45 शतक और 91 अर्धशतक शामिल हैं। तेंदुलकर के बाद एक दिवसीय क्रिकेट में सर्वाधिक रन श्रीलंका के सनथ जयसूर्या ने बनाए हैं जिनके नाम पर इस मैच से पहले तक 12207 रन दर्ज थे। जयसूर्या 441 मैच खेल चुके है। अब तक 400 से अधिक एकदिवसीय मैच केवल इन्हीं दो खिलाड़ियों ने खेले हैं।

तेंदुलकर १८२ टेस्ट मैचों में भी अब तक १५०४८ रन बना चुके हैं और इस तरह से उनके नाम पर अन्तरराष्ट्रीय क्रिकेट में ३०००० से ज्यादा रन और 99 शतक दर्ज हैं। तेंदुलकर ने अपने एक दिवसीय करियर में सर्वाधिक रन आस्ट्रेलिया के खिलाफ बनाए हैं। उन्होंने विश्व चैंपियन के खिलाफ 60 मैच में 3000 से ज्यादा रन ठोके हैं जिसमें 9 शतक और १५ अर्धशतक शामिल हैं। श्रीलंका के खिलाफ भी उन्होंने सात शतक और 14 अर्धशतक की मदद से 2471 रन बनाए हैं लेकिन इसके लिए उन्होंने 66 मैच खेले हैं।

इस स्टार बल्लेबाज ने पाकिस्तान के खिलाफ 66 मैच में 2381 रन बनाए हैं। इसके अलावा उन्होंने दक्षिण अफ्रीका [1655], वेस्टइंडीज [1571], न्यूजीलैंड [1460], जिम्बाब्वे [1377] और इंग्लैंड [1274] के खिलाफ भी एक हजार से अधिक रन बनाए हैं। तेंडुलकर ने घरेलू सरजमीं पर 142 मैच में 46.12 की औसत से 5766 और विदेशी सरजमीं पर 127 मैच में 35.48 की औसत से 4187 रन बनाए हैं लेकिन वह सबसे अधिक सफल तटस्थ स्थानों पर रहे हैं जहाँ उन्होंने 140 मैच में 6054 रन बनाए हैं और

उनका औसत 50.87 है। वह भारत के अलावा इंग्लैंड [1051], दक्षिण अफ्रीका [1414], श्रीलंका [1302] और संयुक्त अरब अमीरात [1778] की धरती पर भी एक दिवसीय मैचों में एक हजार रन बना चुके हैं।

पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन ने तेंडुलकर को सलामी बल्लेबाज के तौर पर भेजने की शुरुआत की थी जिसमें मुंबई का यह बल्लेबाज खासा सफल रहा। ओपनर के तौर पर उन्होंने 12891 रन बनाए हैं। जहाँ तक कप्तानों का सवाल है तो तेंडुलकर सबसे अधिक सफल अजहर की कप्तानी में ही रहे। उन्होंने अजहर के कप्तान रहते हुए 160 मैच में 6270 रन बनाए जबकि गांगुली की कप्तानी में 101 मैच में 4490 रन ठोंके। हालांकि स्वयं की कप्तानी में वह अधिक सफल नहीं रहे और 73 मैच में 37.75 की औसत से 2454 रन ही बना पाए।

24 फ़रवरी 2010, सचिन तेंदुलकर ने अपने वनडे क्रिकेट के 442वें मैच में 200 रन बनाकर नया ऐतिहासिक पारी खेली। वनडे क्रिकेट के इतिहास में दोहरा शतक जड़ने वाले पहले खिलाड़ी बने।

तेंदुलकर 160 टेस्ट मैचों में भी अब तक १५००० रन बना चुके हैं और इस तरह से उनके नाम पर अन्तरराष्ट्रीय क्रिकेट में ३०००० से ज्यादा रन और 100 शतक दर्ज हैं। तेंदुलकर ने अपने एक दिवसीय करियर में सर्वाधिक रन आस्ट्रेलिया के खिलाफ बनाए हैं। उन्होंने विश्व चैंपियन के खिलाफ 60 मैच में 3000 से ज्यादा रन ठोके हैं जिसमें 9 शतक और १५ अर्धशतक शामिल हैं। श्रीलंका के खिलाफ भी उन्होंने सात शतक और 14 अर्धशतक की मदद से 2471 रन बनाए हैं लेकिन इसके लिए उन्होंने 66 मैच खेले हैं।

२३ दिसंबर २०१२ को सचिन ने वन-डे क्रिकेट से संन्यास लेने घोषणा कर दी। लेकिन बड़ा दिन तब आया जब उन्होंने टेस्ट_क्रिकेट से भी संन्यास की घोषणा कर दी। उन्होंने कहा कि वह २००वें टेस्ट के बाद संन्यास ले लेंगे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि "देश का प्रतिनिधित्व करना और पूरी दुनिया में खेलना मेरे लिए एक बड़ा सम्मान था। मुझे घरेलू जमीन पर 200वां टेस्ट खेलने का इंतजार है। जिसके बाद मैं संन्यास ले लूंगा।" उनके चाहत के अनुसार उनका अंतिम टेस्ट मैच वेस्टइंडीज के खिलाफ मुंबई के वानखेड़े_स्टेडियम में खेले ।

अंतिम टेस्ट मैच: मुंबई के वानखेडे स्टेडियम में खेले गये अंतिम टेस्ट मैच में सचिन ने ७४ रनों की पारी खेली।

सम्मान : भारत रत्न: १६ नवम्बर २०१३ को सचिन के क्रिकेट से सन्यास लेने के मौक़े पर भारत सरकार ने देश के सबसे बड़े नागिरक सम्मान "भारत रत्न" की घोषणा की। सचिन राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित एकमात्र क्रिकेट खिलाड़ी हैं। वे सन् २००८ में पद्म विभूषण से भी पुरस्कृत किये जा चुके है।